Seat No. : _____

AH-104(H)

April-2022

B.Com., Sem.-VI

CC-307 : Fundamental of Financial Management

Time : 2 Hours] **[Max. Marks : 50**

(Hindi Version)

सूचनाएँ : (1) भाग-I के **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।

(2) भाग-I में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

(3) भाग-II का प्रश्न–**5** अनिवार्य हैं ।

भाग-I

1. (A) वित्तीय नियोजन की प्रक्रिया की संक्षिप्त में चर्चा कीजिए । **10**

(B) वित्तीय प्रबन्ध की परिभाषा दीजिए एवं उसके कार्यों की चर्चा कीजिए । **10**

2. (A) अति पूँजीकरण अर्थात् क्या ? इसके कारणों, प्रभावों एवं उपायों की चर्चा कीजिए । **10**

(B) पूँजी ढाँचा अर्थात् क्या ? पूँजी ढाँचे को प्रभावित करने वाले कारकों की संक्षिप्त में चर्चा कीजिए । **10**

3. (A) प्राप्य प्रबन्ध अर्थात् क्या ? प्राप्य विनियोग के हेतुओं की चर्चा कीजिए । **10**

(B) कार्यशील पूँजी की आवश्यकता का प्रमाण निर्धारित करने वाले आठ कारकों का वर्णन कीजिए । **10**

4. (A) पूँजी बजट की परिभाषा दीजिए एवं उसकी मुख्य पद्धतियों का वर्णन कीजिए । **10**

(B) (1) पूँजी की लागत की विभिन्न संकल्पनाओं की जानकारी देकर किन्हीं दो का वर्णन कीजिए । **5**

(2) अपोलो लि. ने ₹ 20,00,000 (बीस लाख) के, ₹ 100 अंकित मूल्य वाले 10% ब्याज दर के डिबेन्चर्स, 5% के बट्टे पर 10 वर्ष की अवधि के लिए निर्गमित किए । निर्गमन की लागत 5% होगी एवं कर की दर 50% है । डिबेन्चरों की कर से पहले की लागत ज्ञात कीजिए । **5**

भाग-II

5. निम्न प्रश्नों के संक्षिप्त में उत्तर दीजिए : (किन्हीं **पाँच**) **10**

(1) वित्त के रूढ़िगत अभिगम का क्या अर्थ है ?

(2) वित्तीय प्रबन्धन के क्या उद्देश्य हैं ?

(3) अल्प पूँजीकरण का क्या अर्थ है ?

(4) पूँजी की गियरींग अर्थात् क्या ?

(5) अधिमान अंशों के प्रकार बताइए ।

(6) बैंक ओवरड्राफ्ट अर्थात् क्या ?

(7) विशेष कार्यशील पूँजी का अर्थ लिखिए ।

(8) "बट्टाकृत नकद प्रवाह पद्धति" क्या है ?

(9) "लाभप्रदता सूचकांक" क्या है ?

(10) तरल पूँजी के कारणों को बताइए ।